आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 मार्च 2025 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान सकारात्मक कार्य करने की सलाह दी।

यह समय किसी नई हॉबी को अपनाने के साथ ही अपने हुनर को ओर तरासने का भी है। आज बच्चों के लिए ऐसे प्लेटफार्म की कमी नहीं जहां वे काफी कुछ सीख सकते हैं जैसे कोई संस्था टेक्नोलॉजी कैंप चल रही हो तो बच्चे वहां ऐप बनाने के साथी ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के बारे में जान सकते हैं अगर कहीं पर्यावरण की बात हो, थिएटर की बात हो या लीडरशिप की बात हो ऐसे भिन्न–भिन्न विषय के कोर्स होते रहते हैं तो उससे भी जुड़ सकते हैं।

श्री मोदी ने युवाओं के लिए माई भारत नामक खास कैलेंडर की चर्चा की, जिसे इस वर्ष की गर्मियों की छुट्टी के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कैलेंडर के माध्यम से कुछ अनूठे प्रयास किए गए हैं। इस कैलेंडर के स्टडी टूर में युवा छात्र जन औषधि केन्द्रों के बारे में जानकारी ले सकते हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में सम्पन्न खेलो इंडिया पैरागेम्स में खिलाडियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन खेलों में इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स लोकप्रिय हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वस्त्र अपशिष्ट यानी टेक्सटाइल वेस्ट पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका निस्तारण पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि एक प्रतिशत से भी कम टेक्सटाइल वेस्ट को नए कपड़ों में रिसाइकिल किया जाता है।

भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां सबसे ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट निकलता है लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे देश में इस चुनौती से निपटने के लिए कई सरहनीय प्रयास किये जा रहे हैं। कई भारतीय स्टार्टअप्स ने टेक्सटाइल रिकवरी फैसिलिटी पर काम शुरू किया है। वह पुराने कपड़ों और जूते चप्पलों को रिसाइकल कर जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं कुछ समझता है पुराने कपड़े लेकर उसे दोबारा उपयोग करने लायक बनाती हैं और गरीबों तक पहुंचती है।

जल संरक्षण पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जलशक्ति मंत्रालय और कई अलग–अलग स्वयंसेवी संस्थाएँ इस दिशा में काम कर रही हैं और देश में हजारों कृत्रिम तालाब, चेक डैम, बोरवेल रीचार्ज और सामुदायिक सोकपिट का निर्माण हो रहा है।

****

वासंतिक नवरात्र के पहले दिन आज सुबह से ही प्रदेश भर के शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुयी है। बलरामपुर के देवीपाटन, मिर्जापुर के मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपीठ, गोरखपुर के लेहड़ा माता मंदिर, तरकुलहा देवी और बुढ़िया माई मंदिर सहित विभिन्न जिलों के देवी मंदिरों में सुबह से ही मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री की पूजा–अर्चना के लिये श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लगी हुयी है। मां विन्ध्यवासिनी मंदिर में नौ दिनों तक गर्भगृह में माता के चरण स्पर्श पर रोक लगायी गयी है। वहां कल देर रात से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी है।

मां विन्ध्यवासिनी की जय–जयकारों के बीच प्रसिद्ध शक्तिपीठ विन्ध्याचल मे चैत्र नवरात्र मेला प्रारंभ हो चुका है। कल से ही श्रद्धालुओं के विन्ध्याचल पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। भोर मे कलश स्थापना व मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट खुले समूची विन्ध्य नगरी घंटा घड़ियाल के साथ मां के जय–जयकारों से गूंज उठी। इस समय बड़ी संख्या मे श्रद्धालु मां विन्ध्यवासिनी का दर्शन पूजन कर त्रिकोण परिक्रमा पूरी कर रहें हैं। एस एम सबा आकाशवाणी समाचार विन्ध्याचल मिर्जापुर।

****

प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन की एजेंसी–इन्वेस्ट यूपी जल्द ही निवेश मित्र–तीन पोर्टल लांच करने की तैयारी में जुटी है। इस पोर्टल के शुरू हो जाने पर राज्य में निवेशकों के काम जल्द होंगे साथ ही व्यापारिक गतिविधियां अधिक सुगम हो जायेंगी। पोर्टल का उद्देश्य पारदर्शिता, दक्षता और निवेश अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना है।

****

पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने और गरीब परिवारों को भी मांगलिक आयोजनों में शहर के मैरेज हॉल जैसी सुविधा उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश भर में परफॉर्मेंस ग्रांट पाने वाली पंचायतों में बरात घर का निर्माण कराया जायेगा। गोरखपुर मण्डल के उपनिदेशक पंचायती राज हिमांशु शेखर ठाकुर ने बताया कि बरात घर के निर्माण को लेकर तैयारी तेजी से चल रही है। गोरखपुर मण्डल की बीस पंचायतों में बरात घर का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। इनमें गोरखपुर जिले में दस, महराजगंज में नौ और कुशीनगर में एक ग्राम पंचायत शामिल है। प्रत्येक बरात घर के निर्माण पर करीब तीन करोड़ बाइस लाख रूपये खर्च होंगे। निर्माण की जिम्मेदारी प्रदेश स्तर से चयनित तीन एजेंसियों को सौंपी गयी है। उन्होंने बताया कि बरात घर में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को काफी कम शुल्क पर मांगलिक कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा मिलेगी।

****

मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों में तापमान में वृद्धि की सम्भावना जतायी है। विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान में तीन से पांच और न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। आगामी चार अप्रैल तक प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

****